म्हारा हरियाणा, सक्षम हरियाणा

CREATIVE ANDCRITICAL THINKING

REFERENCE & PRACTICE

MATERIAL

Hindi, Class-9

(बच्चे काम पर जा रहे हैं, एक कुत्ता और एक मैना व **यमराज की दिशा** पाठाधारित)

TESTING AND ASSESSMENT WING

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH & TRAINING

GURUGRAM (HARYANA)

प्रतिमान 1 - (बच्चे काम पर जा रहे हैं आधारित**)**

1. बाल श्रम की गंभीर समस्या को रोकने के लिए कोई दो उपाय सुझाएँ।
2. लगभग एक तिहाई बाल मजदूर किस कार्य क्षेत्र में काम कर रहे हैं ?
3. भारत में मजदूरी करने वाले बच्चों में से 20 प्रतिशत बच्चे शहरी क्षेत्र में काम करते हैं तो शहरी क्षेत्र में काम करने वाले बच्चों की संख्या कितनी है ?
4. ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरी मुख्य रूप से किस कार्य क्षेत्र में होती है ?
5. ऐसी कोई दो फिल्में बताइए जिसमें आपने किसी बच्चे को बाल मजदूरी करते हुए देखा हो ?

- चेतना जाठोल , बी.आर.पी हिंदी, ब्लाक मातनहेल, झज्जर।

प्रतिमान 2 - (बच्चे काम पर जा रहे हैं आधारित**)**

भूखा नंगा बच्चा,
रहमो करम पर पलता।
खेलने कूदने की उम्र,
बाल मजदूरी करता।
देश का बचपन,
सुनहरे स्वप्न खोता।
तरक्की के गाल पर ,
यही तमाचा लगता।
डांट ,फटकार ,पिटाई,
नंगी भूमि ,खुला आसमान,
ना नसीब होती चटाई।
रूखासूखा बासी खाना-,
और झूठन,
कैसी दयनीय दशा बनाई।
कहीं ढाबा ,कहीं कारखाना,
कौन करता रखवाली।
नन्हें हाथों से ,

छुड़वा कर थाली।
थमाए कोई पुस्तक पाटी।
बाल मजदूरी और शोषण ने,
छीना बचपन।
मुक्त कराओ , सिखलाओ,
इन्हें भी,
शिक्षा का अधिकार अधिनियम।

प्रश्न 1. 'बाल श्रम निषेध' से आप क्या समझते हैं ?

प्रश्न 2. विश्व बाल श्रम निषेध दिवस ' कब मनाया जाता है ?

(i)14 अप्रैल (ii)12 जून (iii) 14 जून (iv) 12 जुलाई

प्रश्न 3. नीचे दिए गए चित्रों को देखकर बताओ कि बच्चे कहाँ कार्य कर रहे हैं ?

क्रमांक	चित्र	कार्य स्थान	क्रमांक	चित्र	कार्य स्थान
1			3		
2			4		

प्रश्न 4. नीचे दिए गए चित्र से आप क्या समझते हैं अपने शब्दों में लिखो |

प्रश्न 5 . एक इमारत के निर्माण कार्य में कुल 25 आदमी कार्यरत हैं उनमे 13 पुरुष , 7 महिलाएं तथा 5 बच्चे शामिल थे | ठेकेदार 58 रूपये प्रति प्लेट के हिसाब से पुरुषों व महिलाओं के लिए पूरी प्लेट व बच्चों के लिए आधी प्लेट के हिसाब से खाना मंगवाता है तो बताओ वह खाने पर कितने रूपये खर्च करता है ?

- **सरिता कुमारी , बी.आर.पी हिंदी, ब्लाक बेरी, झज्जर**

प्रतिमान 3 - (बच्चे काम पर जा रहे हैं आधारित**)**

बचपन एक ऐसी अवस्था है जिसमें बच्चों का खेलना , खाना - पीना , नटखट शरारते करना और पढ़ना ही उचित माना जाता है। बच्चे बचपन में लोभ और स्वार्थ से परे एक ऐसा जीवन जीते हैं जो बहुत ही मासूमियत और आनंद से भरा होता है। माता - पिता इस उम्र में बच्चों को बहुत लाड़ - प्यार करते हैं उन्हें तरह-तरह के खिलौने लाकर देते हैं। पढ़ने के लिए स्कूल में भेजते हैं लेकिन मेरे इस देश में सभी बच्चों को उनका बचपन और माँ - बाप का प्यार दुलार नहीं मिलता क्योंकि कुछ बच्चे बेचारे ऐसे भी होते हैं जिन्हें खिलौने की जगह कालीन, पटाखे , लिफाफे व बीड़ी बनाने का काम दे दिया जाता है ।कुछ बेचारे इस उम्र में ढाबे या होटल में खाने की प्लेट और पानी पकड़ा रहे होते हैं ।इन बेचारों को ना तो ढंग से खाना मिलता है और ना ही इनके रहने की उचित व्यवस्था होती है ।इन्हें सातों दिन काम करना पड़ता है। थोड़ी सी गलती होने पर मालिक के द्वारा बहुत ज्यादा मार पड़ती है ।शिक्षा से यह वंचित रह जाते हैं जिससे इनका भविष्य भी अंधकार में डूब जाता है। ये बेचारे हमेशा असुरक्षित बचपन के साए में जीने को बाध्य होते हैं। जरा सोचिए जब कोई मासूम बच्चा अपने हम उम्र बच्चों को स्कूल जाता हुआ व छुट्टी के समय मुस्कुराता हुआ स्कूल से आता देखता होगा तो क्या उस मासूम बच्चे के हृदय में पीड़ा नहीं होती होगी।

जिस उम्र में बच्चे माँ - बाप की गोद में अपने मासूम बचपन को जीते हैं, उस उम्र में घर की कमजोर आर्थिक स्थिति या अन्य किसी कारण की मजबूरी के चलते इन मासूम बच्चों को मजदूरी के लिए विवश होना पड़ता है । इन बच्चों की बहुत सी मजबूरियाँ होती है जिनके कारण यह बाल मजदूर बनने पर विवश हो जाते हैं ।कुछ बेचारे गरीबी के कारण अपना और अपने परिवार का पेट भरने के लिए छोटी मोटी नौकरी ढूँढ़ने को विवश हो जाते हैं। कुछ बच्चों को लालच के वश उनके माँ - बाप काम पर लगा देते हैं ।कुछ बच्चों को आपराधिक तत्वों द्वारा उठा लिया जाता है और उनसे जबरन काम करवाया जाता है।

भारत में 1986 में बाल श्रम निषेध नियमन कानून लागू किया गया लेकिन उसके बाद भी बाल शोषण होता रहा। 10 अक्टूबर 2006 को बाल मजदूर प्रतिबिंब कानून संविधान द्वारा बनाया गया। लेकिन यह सभी बातें कागजों में धरी रह जाती है जब हम किसी बच्चे को होटल या ढाबे पर चाय के कप और झूठे बर्तन उठाते हुए देखते हैं भारत ही नहीं अपितु पूरा विश्व इस समस्या से जूझ रहा है आवश्यकता है ऐसे में हम सभी की आगे आने की और कारण पता लगाने की यह बच्चे ऐसा काम करने के लिए क्यों विवश है। इन बच्चों की सहायता करनी चाहिए और इन से जबरन काम करवाने

वाली संस्थाओं की जानकारी सरकार को देनी चाहिए तभी जाकर इस समस्या का कुछ समाधान किया जा सकता है।

1 बाल श्रम क्या है?

2 बाल मजदूर प्रतिबिंब कानून संविधान में कब पारित किया गया ?

3 बाल श्रम करने वाले बच्चों की क्या क्या मजबूरियाँ हो सकती हैं ?

4 दो बच्चों कपिल और रोहित की आयु का अनुपात 7: 3 है। 6 वर्ष बाद इनकी आयु का अनुपात 5: 3 हो जाएगा ।बताइए इनकी आयु में कितना अंतर है?

5 बाल श्रम अधिनियम 1986 के तहत कितनी उम्र तक के बच्चों को बाल श्रमिकों की श्रेणी में रखा गया है?

- **रोशनी देवी, , बी.आर.पी हिंदी, ब्लाक नाहर, रेवाड़ी**

प्रतिमान 4 - (बच्चे काम पर जा रहे हैं आधारित**)**

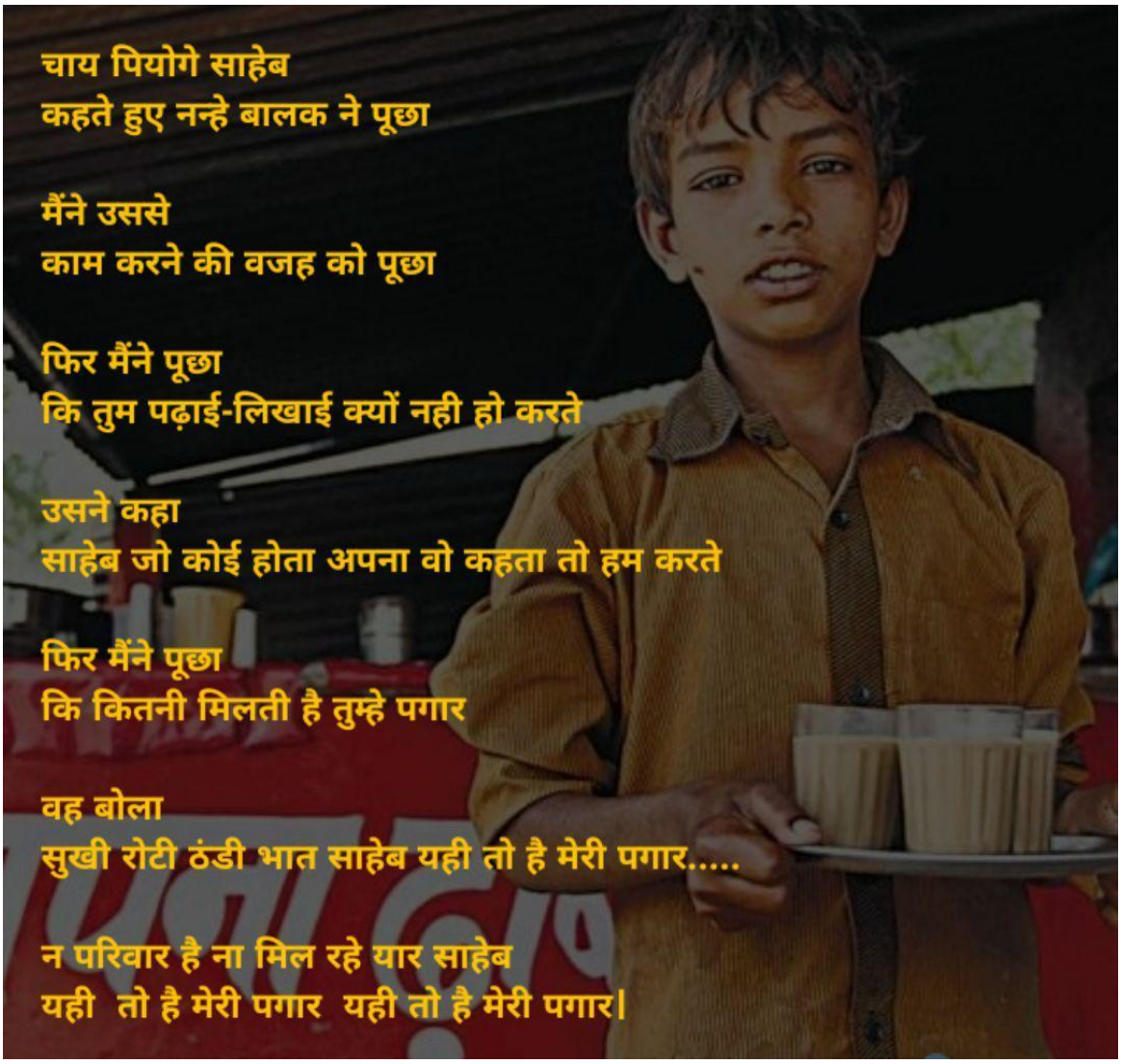

प्रश्नः–1 आपको बाल मजदूरी के कौन–से दो मुख्य कारण लगते हैं?
प्रश्नः–2 आपने बच्चों को मजबूरी में कौन–कौन से काम करते हुए देखा है?
प्रश्नः–3 बाल मजदूरी समाप्त करने के लिए क्या किया जाना चाहिए?
प्रश्नः–4 माता–पिता गुजर जाने के बाद अंकित एक ढाबे पर काम करने लगा। ढाबा मालिक ने अंकित को घर के लिए साल में 35000 रूपये दिए। बताओ अंकित को प्रति महीना कितने रूपये मिले?
प्रश्नः–5 एक गाँव के सात घरों के 14 बच्चे बाल मजदूरी को मजबूर हो रहे हैं। एक बच्चे की बाल मजदूरी छुड़वाने के लिए **घर खर्च के लिए** 1500 रु महीने की जरूरत है तो गाँव के सभी बच्चों की बाल मजदूरी छुड़वाने के लिए एक महीने में कितने रूपयों की जरूरत पड़ेगी?

- **अरुण कैहरबा**, **प्रवक्ता, रा. उ. विद्यालय कारेरा खुर्द**, **जगाधरी**, **यमुनानगर**

प्रतिमान 5 - (बच्चे काम पर जा रहे हैं आधारित)

प्रश्न 1 जब आप किसी बच्चे को घर से बाहर पैसों के लिए काम करते देखते हैं तो आपको कैसा महसूस होता है?

प्रश्न 2 बाल श्रमिकों के लिए सरकार द्वारा क्या–क्या व्यवस्थाएं की जानी चाहिए?

प्रश्न 3 क्या आपने कभी बाल श्रम करते हुए बच्चों की सहायता की है उन्हें शिक्षा के लिए प्रेरित किया है?

प्रश्न 4 अगर बच्चे कोयले जैसे खतरनाक कारखानों में काम करेंगे तो उनके स्वास्थ्य पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा?

प्रश्न 5 250 बच्चों में से 72% बच्चे बाल श्रम करने में रुचि नहीं रखते । कितने बच्चे बाल श्रम में रुचि नहीं रखते हैं?

- **रजनी, बी.आर.पी हिंदी, ब्लाक सरस्वती नगर।**

प्रतिमान 6 - (बच्चे काम पर जा रहे हैं आधारित)

कैलाश सत्यार्थी का जन्म मध्य प्रदेश के विदिशा में 11जनवरी 1954 को हुआ था। उन्होंने 26 साल की उम्र में अपना इंजीनियर का व्यवसाय छोड़कर बच्चों के अधिकारों के लिए काम करना शुरू किया। उन्होंने बालश्रम के खिलाफ 1983 में बचपन बचाओ आंदोलन की शुरूआत की। इस आंदोलन के द्वारा उन्होने विश्व के 144 देशों के 83000 से अधिक बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए कार्य किया है। उन्होंने बालश्रम के खिलाफ अपने आंदोलन को 'सबके लिए शिक्षा' से भी जोड़ा और वे इसके लिए युनेस्को द्वारा चलाए गए कार्यक्रम से जुड़े। उन्होंने बालश्रम को मानवाधिकार के मुद्दे के साथ–साथ दान और कल्याण के साथ भी जोड़ा। उन्हें बालश्रम के खिलाफ और बच्चों की शिक्षा के लिए देश और विदेश में विभिन्न कानून बनाने में सहयोग करने का श्रेय दिया जाता है। उनको सन् 2014 में पाकिस्तान की नारी शिक्षा कार्यकर्त्ता मलाला युसुफजई के साथ सम्मिलित रूप से नोवेल शान्ति पुरस्कार प्रदान किया गया। वे वर्तमान में दिल्ली में रहते हैं।

प्रश्न 1 'बाल श्रम' से आप क्या समझते हैं ?

प्रश्न 2 बच्चों से जुड़ी चार समस्याओं के बारे में संक्षेप में बताइए ?

प्रश्न 3 बच्चों के लिए सबसे जरूरी काम कौन–सा है और क्यों ?

प्रश्न 4 नोबेल पुरस्कार विजेता को प्रशस्ति–पत्र के साथ 10 लाख डॉलर की इनामी राशि प्रदान की जाती है। यदि भारतीय रुपयों में डॉलर का मूल्य 73 रुपये हो तो नोबेल पुरस्कार के रूप में कितने भारतीय रुपये दिये जाते हैं ?

(क) 730000 रूपए (ख) 7300000 रूपए (ग) 73000000 रूपए (घ) 73000 रूपए

प्रश्न 5 दिल्ली से विदिशा की दूरी यदि 756 कि0मी0 हो तो 54 कि0मी0 प्रति घण्टा की गति से कार द्वारा इस दूरी को तय करने में कितना समय लगेगा ?

(क) 11 घण्टे (ख) 12 घण्टे (ग) 13 घण्टे (घ) 14 घण्टे

– दीपक राविश, प्रवक्ता, रा. व. मा. वि. नन्दकरण माजरा, कैथल।

प्रतिमान 7 - (बच्चे काम पर जा रहे हैं आधारित**)**

“बच्चे काम पर जा रहे हैं”|
इस दुनिया में उसका आना कब हुआ
उसे नहीं मालूम, नहीं मालूम उसे अपनी उम्र |
हवा के थपेड़ों के बीच सोता है ईंटों का तकिया लगाकर
भूख की ज्वाला बीड़ी पी कर बुझाता है,
सवेरे-सवेरे सहमा हुआ दरवाजा खटखटाता है
जब साहब मॉर्निंग वॉक के लिए निकलने को होते हैं,
साहब जी कूड़ा
कूड़ा इकट्ठा करता है
अपने पीछे छोड़ जाता है कुछ जड़ी भूत संवेदनाएं
नींबू की तरह चूस ली गई उसकी मासूमियत
कुछ दिन पहले दुकान पर प्लेट धोता था
अब साधता है टायर के पेंचर
और हांफते हुए भरता है पहिये में हवा
गोया, अपनी खाली जिंदगी में|

प्रश्न 1 बाल मजदूरी के संबंध में आपके क्या विचार हैं, संक्षेप में लिखिए?
प्रश्न 2 मॉर्निंग वॉक शरीर के लिए किस प्रकार लाभदायक है?
प्रश्न 3 बाल- मजदूर आप किसे कहेंगे? इसे रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रावधान किए गए हैं?
प्रश्न 4 नींबू में कौन सा विटामिन पाया जाता है , आपके घर में नींबू का प्रयोग किस -किस रूप में होता है?
प्रश्न 5 यदि प्रत्येक संख्या के दूसरे अंक में एक जोड़ा जाए और प्रत्येक संख्या के तीसरे अंक में एक घटाया जाए तो सबसे छोटी संख्या कौन सी संख्या से प्राप्त होगी?
382, 473, 568, 728, 847, 629

- हेमलता, बी.आर.पी हिंदी, ब्लाक बहल

प्रतिमान 8- (बच्चे काम पर जा रहे हैं आधारित**)**

हमारे देश में 6 वर्ष से 14 वर्ष के बच्चों के लिए 'निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009' लागू है । परंतु फिर भी ऐसे बहुत से बालक हैं जो स्कूल न जाकर किसी होटल, कारखाने या धनी लोगों के घरों में काम करते हैं । बहुत से बच्चे बड़े-बड़े शहरों में सड़कों पर भीख माँगते दिख जाएँगे । ग्रामीण क्षेत्रों में तो लड़के लड़की में भेदभाव के चलते लड़कियों को स्कूल भेजा ही नहीं जाता या फिर उनकी पढ़ाई बीच में ही छुड़वाकर उन्हें काम में लगा दिया जाता है । यह सामाजिक एवं आर्थिक विडंबना ही कही जाएगी कि शिक्षा का अधिकार तथा बाल श्रम निषेध अधिनियम के होते हुए भी बच्चे शिक्षा से वंचित होकर काम करने को विवश हैं ।

प्रश्न 1. शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत कहाँ तक निशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान है ?

(क) माध्यमिक शिक्षा तक

(ख) मौलिक शिक्षा तक

(ग) वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा तक

(घ) प्राथमिक शिक्षा तक

प्रश्न 2. ' निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 ' में 'निशुल्क एवं अनिवार्य' से क्या अभिप्राय है ?

प्रश्न 3. 'बाल श्रम निषेध अधिनियम' के अंतर्गत किन बच्चों को काम पर नहीं लगाया जा सकता ?

(क) 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को

(ख) 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को

(ग) 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को

(घ) 20 वर्ष से कम आयु के बच्चों को

प्रश्न 4. हरियाणा में शिक्षा का अधिकार 3 जून, 2011 को लागू हुआ था । बताइए उस दिन क्या वार था ?

प्रश्न 5. शिक्षा का अधिकार लागू होने के बाद भी 6 से 14 वर्ष के सभी बच्चे किस कारण से स्कूल में नहीं जा पाते ?

- डॉ. महेन्द्र सिंह, **बी.आर.पी हिंदी, ब्लाक** बौन्दकलां ।

प्रतिमान 9 - (बच्चे काम पर जा रहे हैं आधारित**)**

रोटी की खातिर देखो, बच्चा करता मजदूरी है,
यह कठोर अभिशाप, झेलने की कैसी मजबूरी है?
पूंजीवाद की खूनी स्याही से ,लिखी यह कहानी है,
नौनिहालों के अरमानों पर ,नितदिन फिरता पानी है।
जो अपने बच्चों की खातिर,खुशियों के ताने बुनते,
अरमानों की ज्योति जगाने को,नित ही तारे चुनते।
वही दूसरे बच्चों से जब,अपनी सेवा लेते हैं ,
ममता , वात्सल्य ,प्रेम को मानों गाली देते हैं।
मैं समाज का यह कलंक - अभिशाप मिटाने आया हूँ ,
दबे हुए अरमानों में , मैं पंख लगाने आया हूँ।

प्रश्न 1- बाल मजदूरी के कोई दो प्रमुख कारण लिखो। (30-35 शब्दों में)

प्रश्न 2- आपके विचार में बाल मजदूरी अभिशाप क्यों है? (30-35 शब्दों में)

प्रश्न 3- "मैं समाज का कलंक अभिशाप मिटाने आया हूँ " पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4-निम्नलिखित में से बाल मजदूरी क्या नहीं है-
1 - कलंक 2 - अभिशाप
3 - मजबूरी 4 - बच्चों की इच्छा।

प्रश्न 5 -15 बच्चे एक काम को 40 दिन में करते है तो 20 बच्चे उसी काम को कितने दिन में करेंगे ?

- **राजेश कुमार, प्रवक्ता, रा. व. मा. वि. चमारखेड़ा, उकलाना, हिसार**

प्रतिमान 10 - (बच्चे काम पर जा रहे हैं आधारित**)**

उसने अपना नाम ललन बताया था। वह उन पन्द्रह बच्चों में सबसे बड़ा था। उसकी उम्र 13 वर्ष थी। किसी के पांव में चप्पल नहीं थी। शरीर को केवल एक वस्त्र से ढक रखा था।लल्लन बता रहा था, ढाबे का मालिक गाँव से उन्हें जीप में बैठाकर लाया है। सभी के माता-पिता को इसका पता है। मालिक उसके पिता को ₹250 महीना देता है। बाकी बच्चों को इतनी तनख्वाह भी नहीं मिलती। उनके काम का समय दिन में 2:00 बजे से शुरू होकर रात 2:00 बजे तक रहता है। फिर दूसरे बच्चे काम करते हैं। सभी बच्चे थालियों में बचा भोजन खा लेते हैं। यह घटना 18 वर्ष पुरानी है, लेकिन झारखंड के उस ढाबे पर जब रात दस बजे हमने भोजन किया था तो बच्चों को सारा काम करते देख मेरे रोंगटे खड़े हो गए थे। स्थिति आज भी बदली नहीं है। कहने को हम हर वर्ष 'एंटी चाइल्ड लेबर डे' मनाते हैं। भारत में अभी 1 करोड़ से अधिक बाल श्रमिक हैं। बाल श्रम के विरुद्ध कानून भी है। ऐसा होने पर भी बाल श्रम नहीं रुक रहा है। हमें विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। बाल श्रम का 80% हिस्सा ग्रामीण बच्चे हैं। अभिभावकों को समझना होगा कि वे अपने बच्चों को आज काम पर भेज कर कुछ पैसा जरूर कमा सकते हैं , लेकिन उनके भविष्य को तबाह कर रहे हैं। आइए कुछ ऐसा करें कि किसी लल्लन को मजदूरी न करनी पड़े।

1. बाल श्रम के लिए अभिभावक कहां तक जिम्मेदार हैं?
2. भारत के किन राज्यों में बाल श्रम की समस्या अधिक है?
3. एक व्यक्ति 1400 रूपए महीना कमाता है। 2 वर्ष बाद उसकी वार्षिक आय कितनी होगी यदि मासिक आय में प्रतिवर्ष 3% की दर से वृद्धि हो?
4. बच्चों का मूल अधिकार क्या हैं?
5. 14 वर्ष तक के बच्चों की मुफ्त शिक्षा के बाद भी सभी बच्चे प्राथमिक शिक्षा प्राप्त क्यों नहीं कर पा रहे हैं ?

- **वीरेन्द्र कुमार, प्रवक्ता, रा. आ. व. मा. वि. शीशाय, हांसी, हिसार**

प्रतिमान 11 - (एक कुत्ता और एक मैना पाठ आधारित)

बात लगभग दस वर्ष पुरानी है जब मैं गाँव में रहता था। घर में ही दो–तीन भैंसे भी पालते थे। एक भैंस ने एक प्यारी सी कटड़ी को जन्म दिया। कटडी का घर में आना सभी सदस्यों के लिए सुखदायी था। पिता जी आर्थिक रूप से लाभदायक मानते थे तो बच्चे खाली समय में उसके साथ खेलते थे तथा अपना खाना भी उसको खिला देते थे। घर्मपत्नी पशु प्रेम में इतनी डुबी हुई थी कि उसने कटडी का नाम रख दिया–मीना। वह सबसे ज्यादा समय उसके पास रहती थी। कटडी धीरे धीरे बडी होती चली गयी तथा जब भी श्रीमती मीना कह कर उसको पुकारती वह दौडकर उसके पास आ जाती। गर्मी के मौसम में तालाब में नहलाने के लिए पिता जी उसको भी अन्य पशुओं के साथ ले जाते तो देर रात तक गर्मी के कारण सभी भैंसे पानी में तैरती रहती। अंधेरा होता देख पिता जी घर आ जाते तो देर रात तक गर्मी के कारण सभी भैंसे पानी में तैरती रहती। अंधेरा होता देख पिता जी घर आ जाते तो श्रीमती मीना, मीना पुकारती तालाब पर जाती तो झट वह बाहर आ जाती और अन्य पशु भी उसके साथ बाहर आ जाते तथा अपनी मालकिन से प्यार जताते हुए घर पहुँचते। मैने मीना के प्यार के साथ–साथ उसका गुस्सा भी देखा। एक बार पडोसी से श्रीमती की किसी बात पर कहा–सुनी हो गयी। मीना भी पास में खड़ी थी। दुश्मन पडोसी की गतिविधियॉ देख मीना को क्रोध आ गया और वह उस पर टूट पड़ी। उसने छत पर चढ कर जान बचाई। कई वर्षों तक वह पड़ोसी यदि नजदीक आ जाता तो भी वह उसकी तरफ जंजीरों से बंधी होने पर भी मारने दौडती।हम जब शहर आए तो मीना का साथ लाना मुश्किल था।हमने उसे दूसरे भाई को दे दिया।दूसरे दिन दूरभाष पर संदेश आता है कि मीना ने कुछ भी नहीं खाया।श्रीमती जी तुरन्त गाँव गई तथा मीना को रोते हुए पाया।श्रीमती ने उसके शरीर पर हाथ फेरा तथा कुछ बातें की,तब जाकर उसने चारा खाया।श्रीमती जैसी बातें भाभी को सिखाई।तब जाकर बहुत दिनों में मीना का मन लगा।जब भी श्रीमती वहां जाती वह ज़ोर–ज़ोर से रम्भानें लगती।मीना जितना लगाव मैंने भैंस जाति में कभी नहीं देखा।

प्रश्न 1. घर में मीना कटड़ी का आगमन सब के लिए सुखदायी कैसे था ?

प्रश्न 2. क्या प्यार पशु को भी भावुक बना देता है ?

प्रश्न 3 पशु–पक्षियों की संवेदनशीलता पर अपना कोई दृष्टांत लिखो ?

प्रश्न 4.मैंने मीना की भैस को 75000रुपये में बेच दिया, खरीदार ने एक माह तक उसकी सेवा पर 4000रुपये खर्च किये तथा 95000रुपये की बेच दी।खरीददार को कितना लाभ या हानि हुई ?प्रतिशत लाभ या हानि भी निकालो।

प्रश्न 5.एक भैंस प्रति दिन 15 लीटर दूध देती है।दूध 55 रुपये प्रति लीटर बिके तो नवंबर मास में कुल कितनी आय होगी ?

– **मामला राम प्रा0, रा0 व0 मा0 वि0सोंगल , कैथल**

प्रतिमान 12 - (एक कुत्ता और एक मैना पाठ आधारित**)**

इस संसार में मनुष्य ही ऐसा प्राणी है जिसमें ह्रदय स्पंदन होने के साथ-साथ विवेक भी है। वह इस संसार की हर अच्छाई और बुराई से वाकिफ है। जहाँ पशु-पक्षियों का ह्रदय स्पंदन करता है वहीँ उनमें कुछ ऐसे गुण भी होते हैं जो उन्हें मनुष्य से श्रेष्ठ साबित कर देते हैं। वे छल प्रपंच से ऊपर होते हैं। वे केवल प्रेम के भूखे होते हैं।

यहाँ कुछ ऐसा ही प्रसंग है। भूरो बिल्ली अक्सर हमारे घर आती थी , उसके घर आने के दो समय थे - सवेरे 5:00 बजे और सांय 5:30। भले ही आंधी-तूफ़ान आ जाए किन्तु उसका समय वही रहता। कई बार तो ऐसा लगता था जैसे भूरो अलार्म लगाकर रखती है। जैसे ही गाय का दूध निकलने का समय होता , भूरो टपक पड़ती। दूध पीकर उसका विश्राम करना ऐसा लगता था जैसे कोई बालक दूध पीकर सो गया हो। कभी-कभी भूरो आने में थोड़ा विलम्भ कर देती तो मैं सोचती कि क्या हुआ , वह क्यों नहीं आई ? कहीं किसी मुसीबत में तो नहीं फंस गयी किन्तु जैसे ही वह आ जाती उसे देखकर मेरी बाछें खिल जाती। भूरो जब गर्भ से थी तो थोड़ी आलसी हो गयी थी। एक दिन वह संध्या के समय आई और मेरी माँ का आँचल बार-बार खींचने लगी। जब भूरो असहाय होकर माँ के आँचल को बार-बार खींच रही थी तो किसी एक विशेष स्थान पर आने के लिए संकेत कर रही थी। मेरी माँ भी उसके पीछे चल दी , मुझे भूरो की आँखों में एक सहायता मांगने का भाव नज़र आ रहा था , कोई ऐसा व्यक्ति जो उसे अपना लगे। थोड़ी देर बाद देखा तो उसने एक प्यारे से सफ़ेद बिल्ली के बच्चे को जन्म दिया है। मैं यह सब देख स्तब्ध रह गयी , क्या मूक प्राणी भी सहायता मांगते है ?क्या उनमें भी कोमल भावनाएं होती हैं ? ये विचार करते-करते अंतत: मैं सो गयी।

प्रश्न-१ प्रस्तुत गद्यांश में एक मुहावरा ढूंढ़कर उसका अर्थ लिखिए और उसे वाक्य में प्रयोग कीजिये।

प्रश्न-२ भूरो की तुलना किस से की गई है ?

प्रश्न-३ भूरो ने कैसे रंग के बच्चे को जन्म दिया ?

प्रश्न-४ आज मैं 38 वर्ष की हूँ , यदि भूरो आज से 22 वर्ष पूर्व मेरे घर आती थी तो वह किस वर्ष हमारे घर आती थी ?

प्रश्न-५ भूरो दिन में दो बार दूध पीती थी और प्रत्येक बार में वह 100 मिलीलीटर दूध पीती थी तो फरवरी के माह में जो की लीप का वर्ष था , भूरो कितना दूध पीयेगी ? लीटर में ज्ञात कीजिये।

- डॉ. स्वीटी चहल, प्रवक्ता, रा. व. मा. वि. सैक्टर 4-7 गुरूग्राम।

प्रतिमान 13 - (एक कुत्ता और एक मैना पाठ आधारित**)**

गर्मियों में जब मैं दोपहर में काम करती तो गिल्लू न बाहर जाता न ही अपने झूले में बैठता उसने मेरे निकट रहने के साथ गर्मी से बचने का एक सर्वथा नया उपाय खोज लिया था वह मेरे पास रखी सुराही पर लेट जाता और इस प्रकार मेरे समीप भी रहता गिलहरियों के जीवन की अवधि 2 वर्ष से अधिक नहीं होती है अतः गिल्लू की जीवन यात्रा का अंत भी आ ही गया था। रात में अंत की यात्रा में भी वह अपने झूले से उतरकर मेरे बिस्तर पर आया और ठंडे पंजों से मेरी वही उंगली पकड़ कर हाथ से चिपक गया जिसे उसने अपने बचपन की मरणासन्न स्थिति में पकड़ा था पंजे इतने ठंडे हो रहे थे कि मैंने जाकर हीटर जलाया और उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया परंतु प्रभात की प्रथम किरण के स्पर्श के साथ ही वह किसी जीवन में जागने के लिए सो गया |उसका झूला उतार कर रख दिया है और खिड़की की जाली बंद कर दी है परंतु गिलहरियों की नई पीढ़ी जाली के उस पार चिक - चिक करती ही रहती हैं और सोनजुही पर बसंत आता ही रहता है|

प्रश्न 1 - गिल्लू के बैठने की जगह कहाँ थी ?
प्रश्न 2 -गर्मी के दिनों में सुराही की बिक्री बहुत ज्यादा बढ़ जाती है आप भी अगर बाजार में सुराही खरीदने जाते हैं तो आपको एक सुराही की कीमत 250 में पड़ती है तो आठ सुराही की कीमत कितनी होगी ?
प्रश्न -3 - पुराने जमाने में लोग सर्दी को कम करने के लिए हीटर के स्थान पर किस चीज का उपयोग करते थे ?
प्रश्न -4 - गिलहरियों के जीवन की यात्रा अवधि कितनी होती है?
प्रश्न- 5 - मूक प्राणी मनुष्य से कम संवेदनशील नहीं होते गद्यांश के आधार पर अपने विचार लिखिए ?

- वंदना दुबे, प्रवक्ता, रा. व. मा. वि. गुरुग्राम गाँव, गुरुग्राम ।

प्रतिमान 14 - (यमराज की दिशा कविता पर आधारित)

भयानक स्वपन आया
मुझे आज
सपने में आए
स्वयं यमराज
अब चिंता करता तू
किस बात की ?
कब्र खोद ली
तूने अपने आप की
खरीद ली तूने
इतनी मोटर-कार
जीवन की कर ली
कम रफ्तार
बना दिए कितने
महल आलीशान
अंत में आना होगा
तुझे शमशान
उड़ा रहा
अंतरिक्ष में वायुयान
मूर्ख पहले
स्वयं को पहचान
सिगरेट का
धुआं उड़ा इठलाता
कर्करोग हो जब
बाद में पछताता
मौत का
तैयार कर लिया
सब सामान

जान कर
सब कुछ
बन रहा अनजान

1- किन-किन चीजों के सेवन से मनुष्य का जीवन खतरे में पड़ रहा है?
2- मोटर गाड़ियों के प्रयोग से मनुष्य के जीवन की रफ्तार कैसे कम हो रही है?
3- कब्र शब्द किस भाषा का है?
(क) हिंदी (ख) संस्कृत (ग) उर्दू (घ) अरबी
4- यदि बस 60 Km प्रति घंटे की रफ्तार से 3 घंटे में दिल्ली से हांसी जाती है तो कार 90km प्रति घंटे की रफ्तार से कितना समय लेगी?
5- मनुष्य अपनी मौत का सामान कैसे इकट्ठा कर रहा है?

- **नरेश कुमार, प्रवक्ता, रा. व. मा. वि. मसूदपुर, हांसी 1, हिसार**

-

प्रतिमान 15 - (यमराज की दिशा कविता पर आधारित स्वरचित गद्यांश)

"आजकल तो सब तरफ यम का ही राज है।" कस्तूरी देवी ने दुख से लंबी आह भरते हुए कहा । "रामसिंह का बड़ा बेटा कार दुर्घटना में मर गया ,बड़ा डॉक्टर था एम्स में। सुनकर कलेजा मुंह को आ गया।" कस्तूरी देवी अपनी बहू सरिता से बतियाते हुए बोली। "हाँ माँ जी, सुना है रामसिंह के बेटे की कोई गलती ना थी। तेजगति से तीन लड़के बाइक पर जा रहे थे, उन्हीं को बचाने के चक्कर में गाड़ी ट्रक में जा घुसी ।" सरिता ने लंबी आह भरी । "हाँ बेटा, जिधर देखो ,यही समाचार आते हैं ,लोग बेमौत मर रहे हैं ,कहीं एक्सीडेंट ,कहीं कोरोना, कही बाढ़ ,कहीं विमान दुर्घटना और ना जाने क्या - क्या। लगता है दुनिया ऐसे ही समाप्त हो जानी है एक दिन । "कस्तूरी देवी ने बहुत ही निराशावादी स्वर में कहा।

1. वाहन दुर्घटना से बचने के लिए हमें क्या सावधानी बरतनी चाहिए?
2. ड्राइविंग लाइसेंस क्या होता है और कितनी आयु होने पर बनवा सकते हैं?
3. यदि आप किसी को दुर्घटनाग्रस्त देखते हैं तो उसकी मदद कैसे कर सकते हैं?
4. एक बस 250 किलोमीटर की दूरी 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से पूरी करने में कितना समय लेगी?
5. रमेश की गाड़ी 20 किलोमीटर प्रतिलीटर की एवरेज देती है उसने 70 रुपए प्रतिलीटर की दर से 10 लीटर पेट्रोल डलवाया और 100 किलोमीटर गाड़ी चलाई , तो कितने का पेट्रोल खर्च हुआ ?

- संगीता, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, हुसैनपुर रेवाड़ी

प्रतिमान - 16

प्रश्न 1- विज्ञापनों के भ्रामक प्रचार से कैसे बचा जा सकता है ? कोई दो प्रमुख उपाय लिखो। (30 शब्दों में)

प्रश्न 2- दूध को सम्पूर्ण आहार की संज्ञा क्यों दी जाती है? (30 शब्दों में)

प्रश्न 3 -"दूध।बहेगा,मुनाफा बढेगा" उक्ति सार्थकता को सिद्ध करने के लिए इसके पक्ष में दो प्रमुख तर्क दीजिए। (30 शब्दों में)

प्रश्न 4- मिल्को मोर पशु आहार के विज्ञापन में कौन सी जानकारी नहीं दी गई है-

1- यह एक विश्वसनीय उत्पाद है।

2- 25 किलो के साथ 10 रुपये का पिंक व कृषि डिटर्जेंट केक एक दम मुफ्त।

3-ज्यादा दूध मिलेगा।

4- मिल्क मोर पशु आहार सबसे ज्यादा पोषण प्रदान करता है।

प्रश्न 5- एक गाय प्रतिदिन 10 लीटर दूध देती है।पशु आहार लेने से यदि दूध में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई हो तो एक सप्ताह में कुल कितने लीटर दूध अधिक मिला ?

- **राजेश कुमार, प्रवक्ता, रा. व. मा. वि. चमारखेड़ा, उकलाना, हिसार**

<u>उत्तरमाला:</u>

प्रतिमान -1

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 कृषि मजदूर

उत्तर-3 -20 लाख 20 हजार

उत्तर-4 कृषि-मजदूर

उत्तर-5 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

प्रतिमान -2

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 12 जून

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 -1305 रूपये

प्रतिमान -3

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 10 अक्टूबर 2006

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 8 वर्ष

उत्तर-5 14 वर्ष

प्रतिमान -4

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 2916 रु लगभग

उत्तर-5 21000

प्रतिमान -5

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 180 बच्चे

प्रतिमान -6

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 73000000

उत्तर-5 14 घंटे

प्रतिमान -7

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 14 वर्ष से कम

उत्तर-4 विटामिन c / छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 - 382

प्रतिमान -8

उत्तर-1 माध्यमिक शिक्षा तक

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 14 से कम आयु के बच्चों को

उत्तर-4 शुक्रवार

उत्तर-5 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

प्रतिमान -9

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 बच्चों की इच्छा

उत्तर-5 30 दिन

प्रतिमान -10

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 1485.26 रु

उत्तर-4 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

प्रतिमान -11

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 20%

उत्तर-5 24750

प्रतिमान -12

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 बालक

उत्तर-3 सफेद

उत्तर-4 2004 में

उत्तर-5 -5800 ml

प्रतिमान -13

उत्तर-1 सुराही पर

उत्तर-2 2000

उत्तर-3 आग जला कर

उत्तर-4 2 वर्ष
उत्तर-5 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे
प्रतिमान -14
उत्तर-1 सिगरेट/तम्बाकू
उत्तर-2 एक्सीडेंट
उत्तर-3 अरबी
उत्तर-4 2 घंटे
उत्तर-5 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे
प्रतिमान -15
उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-2 वाहन चलाने का प्रमाण पत्र/18 वर्ष
उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-4 5 घंटे
उत्तर-5 350 रु
प्रतिमान -16
उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-4 25kg के साथ 10 रु का साबुन फ्री
उत्तर-5 84 लीटर